कोयना शिक्षण संस्था का

बाळासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण

हिंदी विभाग

Programme Specific Outcomes (PSO): B.A. (Hindi)

After successful completion of 3 year degree program in Hindi students should be able to ;

PSO-1	छात्र मौलिक साहित्य का रस स्वादन करेंगे एवं समीक्षा मानदंडों के आधार पर साहित्य की समीक्षा करेंगे ।
PSO-2	भाषा की शुद्धता के प्रति छात्र जागृत हुए।
PSO-3	हिंदी भाषी जनसंचार माध्यमों में समाचार लेखन, समाचार वाचक, रेडिओ जॉकी, संवाददाता, मुद्रण शोधक आदि बन सकते हैं।
PSO-4	रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल छात्रों को प्राप्त हुए।
PSO-5	छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण हुई है।

Course Outcomes: Department of Hindi

Class and Duration	Course		Course Outcomes
B.A. I (NEP) (2022-2023 To 2024-2024)	Paper I **DSC-A2 (विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र I – हिंदी कविता)**	CO-1	छात्रों को हिंदी भाषा के कवि और उनकी कविताओं का परिचय हुआ है।
		CO-2	छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास हुआ है।
		CO-3	छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ गई है।
	Paper II **DSC- A14 (विशेष ऐच्छिक प्रश्नपत्र II – हिंदी गद्य साहित्य)**	CO-1	छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं का छात्रों को परिचय हुआ है।
		CO-2	छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढावा मिल गया है।
		CO-3	छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास हुआ है।
		CO-4	छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ गई है।
		CO-5	छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण हुई है।

Course Outcomes: Department of Hindi

Class and Duration	Course		Course Outcomes
B.A. II	Paper III & V	CO-1	कहानी,निबंध, संस्मरण, व्यंग्य, नाटक आदि विधाओं का छात्रों को परिचय हुआ है।

(NEP) (2023-2024 To 2025-2026)	**(आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य)**	CO-2	छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण हुई है।
		CO-3	छात्रों को नाटक एवं उसके विविध अंगों का परिचय हुआ है।
		CO-4	छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकार एवं नाटककारों का परिचय हुआ है।
	Paper IV &VI **(मध्यकालीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य)**	CO-1	छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कवियों का परिचय हुआ है।
		CO-2	छात्रों को खंडकाव्य विधा का परिचय हुआ है।
		CO-3	छात्रों को मध्यकालीन हिंदी भाषी संत एवं उनके साहित्य का परिचय हुआ है।
		CO-4	छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण हुई है।

		CO-2	अनुवाद और व्यवहारिक लेखन का महत्व तथा उपयोगिता से छात्रों का परिचय हुआ है।
		CO-3	रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल छात्रों को प्राप्त हुए।
		CO-4	छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठण एवं लेखन कौशल का विकास हुआ है।
		CO-5	कार्यालय और व्यवसाय में हिंदी प्रयोग का कौशल ज्ञान का विकास हुआ है।

Course Outcomes: Department of Hindi

Class and Duration	**Course**	**Course Outcomes**	
B.A. III (CBCS) (2020-2021 To 2023-2024)	Paper VII DSE-E6 & XII DSE-E131 **(विधा विशेष का अध्ययन)**	CO-1	साहित्यकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से छात्र परिचित हुए।
		CO-2	छात्र रचना विशेष का महत्त्व समझने लगे है तथा रचना का मूल्याकंन कर रहे है।
		CO-3	रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता का विकास छात्रों में हुआ।
		CO-4	पाठ्यक्रम में निर्धारित नाटक एवं उपन्यास की प्रासंगिकता से छात्र अवगत हुए।
	Paper VIII DES-E7 & XIII DSE-E132 DSC-8C **(साहित्यशास्त्र)**	CO-1	साहित्य निर्मिति की प्रक्रिया का बोध छात्रों को हुआ।
		CO-2	साहित्य / काव्य के तत्त्वों , विभिन्न अंगों, भेदों से छात्र परिचित हुए।
		CO-3	साहित्य/ काव्य की नवीन विधाओं से छात्र परिचित हुए।

		CO-4	समीक्षा सिद्धांतों से छात्र परिचित हुए।
		CO-5	अलंकारों से छात्र परिचित हुए।
	Paper IX DSE-E8 & XIV DSE-E133 **(हिंदी साहित्य का इतिहास)**	CO-1	हिंदी भाषा तथा साहित्य की विकास यात्रा से छात्र अवगत हुए।
		CO-2	हिंदी साहित्य की विकास यात्रा में हिंदी भाषा के माध्यम से अलग-अलग विचारधारा और प्रवृत्तियों से छात्र अवगत हुए।
		CO-3	साहित्य समझने तथा उसका आस्वादन, मूल्यांकन करने की दृष्टि छात्रों को प्राप्त हुई l
		CO-4	हिंदी के प्रमुख संत कवि, उनकी रचनाएँ और उनका समाजसुधार में योगदान आदि से छात्र परिचित हुए l
		CO-5	साहित्य के संदर्भ में विभिन्न साहित्यिक विधाओं के विकास क्रम से छात्र परिचित हुए।
		CO-6	युगीन सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी के स्थान से छात्र परिचित हुए l
		CO-7	आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक के संत, महात्मा, लेखक, कवियों की विचारधारा और उनके द्वारा निर्मित साहित्य का सामान्य परिचय छात्रों को हुआ l
		CO-8	इतिहासकारों द्वारा प्रस्तुत काल विभाजन और नामकरण से छात्र परिचित हुए ।
	Paper X DSE-E9 & XV DSE-E134 **(प्रयोजनमूलक हिंदी)**	CO-1	हिंदी में कार्य करने की रूचि का विकास छात्रों में हुआ।
		CO-2	रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल्य का विकास छात्रों में हुआ।
		CO-3	पारिभाषिक शब्दावली से छात्र परिचित हुए।
		CO-4	सरकारी पत्राचार के स्वरूप का परिचय छात्रों को हुआ।
		CO-5	जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से छात्र परिचित हुए।
		CO-6	अनुवाद स्वरूप, महत्व तथा उपयोगिता से छात्र परिचित हुए ।
		CO-7	रोजगार परक हिंदी की उपयोगिता से छात्र परिचित हुए।
	Paper XI DSE-E10 & XVI DSE-E135 **(भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा)**	CO-1	भाषा के विविध रूपों से छात्र परिचित हुए।
		CO-2	भाषा विज्ञान का सामान्य परिचय छात्रों को हुआ ।
		CO-3	हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास से छात्र परिचित हुए।
		CO-4	भाषा की शुद्धता के प्रति छात्र जागृत हुए।
		CO-5	मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से से छात्र परिचित हुए।

हिन्दी विभागाध्यक्ष
बाळासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण
जि. सातारा.